: BOOK MADE AVAILABLE FOR DIGITIZATION BY :

BRAHMVARCHAS SHODH SANSTHAN
SHANTIKUNJ, HARIDWAR, INDIA

: OUR MAIN CENTERS :

Shantikunj, Haridwar,
Uttaranchal, India – 249411
Phone no : 91-1334- 260602,
Website : www.awgp.org
E-mail : shantikunj@awgp.org

Gayatri Tapobhumi,
Mathura, U.P., India – 281003
Phone no : 91-0565-2530128,
Website : www.awgp.org
E-mail : yugnirman@awgp.org

: BOOK DIGITIZED BY :

Vicharkranti Pustakalay, Thana-Faliya, Dindoligam, Surat-394210, Gujarat, India
E-mail: vicharkranti.awgp@gmail.com | Website : www.vicharkrantibooks.org

www.awgp.org | www.vicharkrantibooks.org

सुयोग्य प्रतिभाओं का उच्चस्तरीय शिक्षण हेतु आव्हान

—श्रीराम शर्मा आचार्य

देखा जाय तो मानव जीवन रूपी सुर-दुर्लभ काया उच्चस्तरीय उद्देश्यों के लिए प्रयुक्त करने हेतु ही मिली है और विवेक का सम्बल लेने वाला उसे सदा से ही उस निमित्त नियोजित करता रहा है। फिर भी कुछ विशिष्ट समय ऐसे होते हैं जिनमें महाकाल द्वारा भावनाशीलों को प्रमाद न बरतने एवं आपत्तिकालीन स्थिति में सङ्कट से निपटने हेतु लगाई जाने वाली दौड़ हेतु चेतावनी देनी पड़ती है, प्रताड़ना के हण्टर बरसाने पड़ते हैं। प्रस्तुत बसन्त पर्व पर सारा मानव समुदाय युग सन्धि के पाँचवें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यह समय वस्तुतः आपत्तिकाल की चरमावस्था का है। प्रज्ञा परिवार की जाग्रत आत्माओं–विभूतियों को इस प्रभात पर्व पर तन्द्रा छोड़ने और विवेकवानों जैसी जागरूकता अपनाने का आग्रह-अनुरोध किया गया है कि वे समय का महत्व समझें, अपनी विशिष्टता और गरिमा अनुभव करें।

यह बसन्त पर्व हमारा आध्यात्मिक जन्म दिवस तो है ही यह वर्ष कई दृष्टियों से भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। हमने अपना जीवन ही अपने मार्ग-दर्शक के निर्देशानुसार जिया। जो-जो आदेश अनुबन्ध इस पर्व के साथ जुड़े हैं वे प्रज्ञा अभियान के कार्यक्रमों के रूप में फलीभूत हुए एवं हमारी कठोर गायत्री साधना से लेकर आज की स्थिति में जा पहुँचे जहाँ अपने चारों ओर प्रज्ञा परिवार का एक विशाल परिकर विचार क्रान्ति के झण्डे तले नजर आता है। लेकिन प्रचार की इस गर्मी से समयदान का सङ्कल्प

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org

लेने वालों की मलाई को देखने भर से यह किसी को नहीं विचारना चाहिए कि ब्रह्मभोज के पकवानों की व्यवस्था बन गई। समयदान की मात्रा पर नहीं गुणवत्ता पर निर्माण निर्भर है। मात्रा भले ही कितनी हो, मणि-मुक्तकों की तरह मूल्यवान क्यों न हो, मात्र उन्हीं से हार नहीं बनता-उसके साथ स्वर्ण समावेश भी तो चाहिए। यही चिन्तन इन दिनों दैवी प्रेरणा के रूप में उभरा है कि हम अदृश्य को परिशोधित एवं शक्ति संपन्न बनाने के लिए तप-ऊर्जा का सम्बल लें। इस बसन्त से हम अपने कदम निवृत्ति की ओर मोड़ रहे हैं, स्वयं को सूक्ष्मीकृत करने जा रहे हैं। महा-योगी अरविंद ने अपनी साधना का उत्तरार्ध काल एकाकी तपश्चर्या में निरत किया था। इससे प्रत्यक्षत: उन्हें हानि नजर आई होगी जो चर्म चक्षुओं से दर्शन को ही सब कुछ माने बैठे हैं लेकिन वातावरण को प्रचण्ड ऊर्जा से भर देने की परोक्ष भूमिका को विरले ही समझ पाए होंगे। जो यहाँ आयेंगे, उन्हें दर्शन - मनोकामना पूर्ति हेतु परामर्श तो नहीं मिल पायेगा लेकिन माताजी एवं हमारी ओर से दो प्रतीक प्राप्त होंगे। अब यही उनके व हमारे बीच सम्पर्क सूत्र होगा।

जहाँ अनेकों नई प्रवृत्तियों का शुभारम्भ गायत्री तीर्थ में प्रस्तुत बसन्त से होने जा रहा है, वहाँ एक और महत्वपूर्ण कदम यह उठाया गया है कि प्रतिभावान कार्यकर्ताओं को उच्चस्तरीय शिक्षण देने का शुभारम्भ भी इन्हीं दिनों हो रहा है। ये प्रशिक्षण सत्र ४-४ मास के होंगे। इन्जीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, बिजिनेस मैनेजमेण्ट, चार्टर्ड एकाउण्टेन्सी के अध्ययन-अध्यापन के लिए नियत अवधि तक ही पढ़ना होता है। इनका कोई छोटा कोर्स पास करके संबन्धित विद्या का निष्णात कहलाया जा सके, ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। प्रज्ञा अभियान का सृजन शिल्पी शिक्षण भी इस स्तर का है कि इसमें न्यूनतम ४ वर्ष का समय लोक सेवी दें। लेकिन इस विषम समय में इतनी प्रतीक्षा की नहीं जा सकती। विभिन्न विधाओं का अध्यापन-शिक्षण ४ माह में सम्भव हो सके, इसकी समग्र व्यवस्था अब शान्ति कुन्ज में बना दी गई है। प्रस्तुत बसन्त पर्व पर परिजनों से सबसे बड़ी अपील, आग्रह भरा अनुरोध करते हुए कहा जा रहा है कि वे प्रस्तुत

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org

शिक्षण हेतु एक जागृत-शिक्षित-प्रतिभावान कार्यकर्त्ता अपने-अपने स्थानों से चुन कर भेजें। शिक्षण की विधायें इतनी समग्र हैं कि यहाँ से जाने पर वह नैतिक-बौद्धिक क्रान्ति के सभी प्रयोजन पूरा करने योग्य, एक सक्षम लोकसेवी के रूप में ढलकर निकलेगा।

गायत्री परिवार की समस्त शाखाओं को तेजस्वी, एकनिष्ठ कार्यकर्त्ताओं की आवश्यकता है। उनकी पूर्ति केन्द्र से हो, ऐसे अनुरोध तो ढेरों आते रहते हैं लेकिन कोई यह नहीं सोचता कि सही सामग्री भेजे बिना परिशोधित; संस्कारित बनी बनाई वस्तु कैसे प्राप्त की जा सकती है। क्षेत्रीय स्तर पर निगाह दौड़ाकर स्वयं ही प्रज्ञा संस्थानों को, स्वाध्याय मण्डलों को एवं प्रज्ञापुत्रों को अपने में से अथवा अपने आसपास उपलब्ध परिकर में से शिक्षण हेतु विद्यार्थी भेजने होंगे। उन्हें युग तीर्थ में हीरे की तरह तराशा-तराशा जाना है। बिना इतनी लम्बी प्रक्रिया से गुजरे वे अपेक्षायें पूरी होना संभव नहीं हैं जो देश-देशान्तरों में फैले प्रज्ञा परिवार से की गई हैं। आने वाले शिक्षार्थियों का स्वयं का लाभ तो यह है कि पहले की अपेक्षा और अधिक योग्य, कई विधाओं में निष्णात हो सकेंगे। जबकि समाज का लाभ यह है कि उनके लिए पूर्ण समय दे सकने वाले प्रतिभावान लोक सेवियों की पूर्ति हो सकेगी। अभी या तो पूजा-अर्चा भर करने वाले पुजारी बिराजे हुए हैं अथवा कुछेक अपवादों को छोड़कर शेष स्थान पर घर गृहस्थी, कार्यालय इत्यादि में व्यस्त बहुधन्धी परिजन मिल-जुल कर कुछ चिन्ह पूजा कर लेते हैं। कई कामों में लगे व्यक्ति मिल-जुल कर भी उस प्रयोजन की पूर्ति नहीं कर पाते जो कि अपेक्षित है। यह उच्चस्तरीय शिक्षण इसी अप्रैल माह से आरम्भ होने जा रहा है एवं अप्रेल से जुलाई, अगस्त से नवम्बर, दिसम्बर से मार्च इस प्रकार ४-४ मास के तीन शिविर निम्नलिखित विधाओं के चलेंगे।

(१) गायन-वादन-अभिनय का क्रमबद्ध शिक्षण, (२) भाषण सम्भाषण की विधा द्वारा युगनेतृत्व का शिक्षण (३) अपने-अपने क्षेत्रों में प्रगतिशील समाचार मासिक एवम् स्मारिका (वार्षिकी) प्रकाशन करने के लिए छपाई, साहित्य सृजन-सम्पादन का शिक्षण (४) जन-

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org

www.awgp.org | www.vicharkrantibooks.org

सामान्य के शारीरिक, मानसिक, नैतिक स्वास्थ्य संवर्धन हेतु जड़ी-बूटी उपचार, घरेलू चिकित्सा, फर्स्टएड, नर्सिंग, खेलकूद, व्यायाम-अंग संचालन का परिपूर्ण शिक्षण (५) शक्तिपीठों एवं शाखाओं की सामयिक मांग को पूरा करने के लिये बाल संस्कार शिक्षा, हरीतिमा संवर्धन एवं स्वच्छता अभियान इत्यादि का शिक्षण । इसके अतिरिक्त ज्ञानरथ संचालन, जन्म दिवसोत्सव पर्व मनाने की पौरोहित्य शिक्षा एवं प्रज्ञापुराण कथाओं के टेप के माध्यम से दृश्य-श्रव्य साधनों द्वारा नौ दिवसीय कार्यक्रम का स्थान-स्थान पर आयोजन । इनका विस्तार इस प्रकार है।

संगीत का जो अभिनव प्रशिक्षण आज शांति कुन्ज में हो रहा है, उसे पूर्व की अपेक्षा आमूलचूल बदल दिया गया है। सैद्धांतिक प्रतिपादनों को अन्तःकरण की गहराई तक उतारने का कार्य भाव-संवेदना उभारकर ही सम्भव है। आदर्शवादी मान्यताओं का सम्बन्ध अन्तःकरण के गहन मर्म स्थल से है। वही भक्ति भावनाओं का केन्द्र है। मीरा, चैतन्य ने संकीर्तन को अपना माध्यम बनाया, इसी प्रकार लोक मानस के परिष्कार हेतु प्रज्ञा अभियान ने भी युग संगीत को नूतन विधाओं के साथ जोड़कर पुनर्जीवित किया है । सुगम संगीत का अभ्यास आसानी से हो सकता है। हारमोनियम के साथ ढपली, मंजीरा, खड़ताल, घुंघरू एवम् बंगाली तम्बूरे के साथ अभिनव युक्त वादन का अभ्यास अब यहां कराया जाएगा। बैंजो, गिटार, इलैक्ट्रानिक म्यूजीटोन, तबला आदि को सीखना भी कठिन नहीं। ये सभी उपकरण यहाँ उपलब्ध हैं । प्रारम्भ तो क, ख, ग से ही करना होगा लेकिन चूंकि समय अब अधिक है, धीरे-धीरे समूहगान एकशन सांग का इन सभी उपकरणों के सहारे अभ्यास सम्भव है। वीडियो का आकर्षण केन्द्रीय स्तर पर जुड़ जाने से अब इनकी सीरीज में फिल्में बनाकर देश-विदेश में दिखाने का क्रम भी आंरम्भ होने जा रहा है।

विचार क्रांति का दूसरा सशक्त माध्यम सम्भाषण है। युग साहित्य का सृजन तो द्रष्टा स्तर के मनीषियों का ही काम है। वह हर किसी के बस की बात नहीं। किन्तु भाषण संभाषण के माध्यम से लोक नेतृत्व का शिक्षण हरेक के लिए संभव है। इस विद्या के मूलभूत नियमों को सीख लेने

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org

www.awgp.org | www.vicharkrantibooks.org

पर वह संकोची प्रवृत्ति एवम् हीन भावना चली जाती है जिसके कारण लोगों की उपस्थिति में अपने विचार व्यक्त कर पाना संभव नहीं हो पाता। मिशन की विचार धारा से जन-जन को अवगत कराने के लिये वाणी में प्रवाह होना तथा शब्दावली का भण्डार होना जरुरी है। प्रज्ञा प्रवचनों, आपसी सम्पर्क, प्रज्ञा पुराणकथा-सम्मेलन, जन्मदिवसायोजनों एवम् पर्वों के लिए आये दिन जो सम्भाषण की आवश्यकता पड़ेगी, उसका शिक्षण अब और अधिक प्रखर रूप में यहां होना है।

तीसरा शिक्षण पत्रकारिता, छपाई-प्रकाशन एवम् क्षेत्रीय भाषाओं में साहित्य प्रशिक्षण का है। प्रत्येक शिक्षार्थी को अपने-अपने क्षेत्रों से हिन्दी अथवा क्षेत्रीय भाषा में प्रगतिशील समाचार पत्र मासिक पत्रों के रूप में निकालना है। आज कल निन्दा, अपराध, दुर्घटना के समाचार ही क्षेत्रीय पत्रों में छपते हैं। बड़े समाचार पत्रों को राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति से ही फुरसत नहीं है। अपने प्रज्ञा संस्थानों से सम्पादन कैसे हो, इसके लिए नमूने का प्रारम्भिक शिक्षण हरिद्वार से ही करा दिया जाएगा। ४ पृष्ठ का एक "प्रगतिशील हरिद्वार" समाचार पत्र यहां से प्रकाशित किया जाएगा, जिसे साइक्लोस्टाइल द्वारा अथवा छोटी प्रेस से कम्पोज कर छापने समाचारों का सङ्कलन-सम्पादन एवं प्रेरक लेखों का चयन शिक्षार्थियों द्वारा अध्यापकों के सहयोग से कराया जाएगा ताकि वे सभी यहां से जाकर अपने स्थानों से ऐसे ही प्रगतिशील समाचार पत्र निकालें।

चौथा शिक्षण है स्वास्थ्य संरक्षक स्तर का। ईसाई चर्चों द्वारा डिस्पेन्सरी के माध्यम से जन जाति वर्गों एवम् सुदूर क्षेत्रों में प्रवेश करना सेवा भावना के माध्यम से ही सम्भव हो पाया है। औसत नागरिक के शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक स्वास्थ्य संवर्धन हेतु प्रज्ञा प्रचारकों को भी इसी स्तर पर आना होगा एवम् समर्थ गुरु रामदास की व्यायामशाला की तरह स्थान-स्थान पर स्वास्थ्य शिक्षण सत्र आयोजित करने होंगे। शांतिकुञ्ज के शिक्षण में जड़ी-बूटी रोपण ताजी एवम् सूखी औषधि द्वारा रोगों के उपचार का; प्राथमिक सहायता, गृहपरिचर्या एवं स्काउटिंग-पीटी

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org

का भी समावेश है। ग्रामीण स्तर पर आज स्वास्थ्य की सुविधाएँ कहां उपलब्ध हैं? यदि प्रचार मण्डली स्वास्थ्य शिविर ही अपने क्षेत्र में स्थान-स्थान पर आयोजित करने लगे तो न केवल गांव-गांव में जड़ी बूटी उद्यान होंगे अपितु सारे परिवार की सहज सहानुभूति इनके साथ होगी।

पाँचवां शिक्षण प्रज्ञा चक्र के सभी उपक्रमों के संचालन एवं शिक्षा चक्र से सम्बन्धित है। प्रज्ञा साधनों की वास्तविक प्राणप्रतिष्ठा वहां बाल संस्कार शालाएं चल पड़ने पर ही मानी जा सकती है। इससे सुसंस्कारिता का वातावरण बनना, हलचल बनी रहना सम्भव है। बालकों एवम् अभिभावकों की सहायता से किस प्रकार ट्यूटोरियल कक्षा चलायी जायें, हरीतिमा संवर्धन एवं स्वच्छता आन्दोलन को कैसे न्यूनतम रूप में आरम्भ करें, इसका शिक्षण यहां होगा। ज्ञानरथ की धकेल गाड़ी को चल प्रज्ञा संस्थान के रूप में कैसे आकर्षक-उत्तेजक बनाकर उसे देवालय की तरह घुमाया जाय, इसकी व्यावहारिक शिक्षा यहीं सम्भव होगी। टेपरिकार्डर, स्लाइड प्रोजेक्टरों के माध्यम से प्रज्ञा पुराण की कथा का श्रव्य-दृश्य साधनों के माध्यम से जगह-जगह ६ दिवसीय आयोजन एवम् बदल-बदल कर क्रम से प्रज्ञा संस्थान पर नवाह्न-परायण के रूप में सम्मेलन तथा जन्मदिन की घर घर पर्व गोष्ठी मनाने का शिक्षण भी इसी क्रम में सम्मिलित है।

प्रस्तुत पाँचों उपक्रम उच्चस्तरीय शिक्षण की पाँच प्रमुख शाखायें हैं जिन्हें शिक्षार्थी की अभिरुचि, योग्यता एवं पकड़ को देखते हुए ४ माह की अवधि में बाँट दिया जाएगा। किसको पहले कौन सा विषय पढ़ाया जाय एवं किस क्रम से इन्हें विभिन्न वर्गों में विभाजित किया जाय, इसके लिए शिविर के प्रारम्भ के नौ दिन में पर्यवेक्षकों द्वारा उनकी योग्यता-मनःस्थिति का गम्भीर अध्ययन कर लिया जाएगा। यह नौ दिवसीय लघु अवधि साक्षात्कार की होगी एवं इसमें असफल पाए जाने पर उत्साहवश आए परिजनों को क्षेत्रीय दायित्व सौंप कर लौटाया भी जा सकता है। प्रि-मेडिकल, प्रि-इन्जीनियरिंग टेस्ट में हजारों विद्यार्थी प्रतिवर्ष बैठते हैं जबकि स्थान गिने चुने होते हैं। उनमें सफल होने पर ही मेडिकल या

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org

इन्जीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश मिलता है। प्रस्तुत प्रारम्भिक शिविर इसी स्तर का होगा।

इस पाठ्यक्रम की विशेषता यह है कि लेखनी और वाणी का, सेवा और स्वाध्याय का, लोक नेतृत्व का समुच्चय इसमें है। सम्पूर्ण शिक्षण प्राप्त कर लेने पर उनका अपना स्वार्थ तो इसमें यह पूरा होगा कि लोक सेवा का, मिशनरी मनःस्थिति का इसमें विकास होगा। प्रशिक्षित व्यक्ति अपने बलबूते एकाकी प्रज्ञा संस्थान चला सकने की स्थिति में होंगे। बिजनेस मैनेजमेण्ट एवं आई.ए.एस. स्तर के शिक्षण में प्रशासन क्षमता—लोगों से डीलिंग की कला का ही विकास किया जाता है। यह सैद्धान्तिक स्तर का नहीं, व्यावहारिक शिक्षण है। समय की आवश्यकतानुसार अब ऐसे ही लोक सेवियों की जरूरत है जो अपनी पैनी बुद्धि एवम् जीवट के सहारे नेतृत्व का बीड़ा उठा सकें। इस दृष्टि से शिक्षणक्रम हर उस कार्यकर्त्ता के लिए भी अभीष्ट है जो पहले यहाँ आकर एक माह समय काटकर जा चुके हों। अभी तक पञ्चसूत्री योजना के नाम से एक कार्यकर्त्ता की नियुक्ति वेतन सहित करने की चर्चा की जाती रही है। अब यह माना जाय कि हमारे अपने परिजनों के बीच में से ही अथवा सम्पर्क क्षेत्र में से एक मॉनीटर चुना जाना है जो पूर्णतः प्रशिक्षित हो एवं स्थायी सेवाभावी कार्यकर्त्ता के रूप में खप सकता हो।

इन विशेष प्रशिक्षण सत्रों में केवल वे ही आएँ या भेजे जाएँ जिनकी मनःस्थिति एवं परिस्थिति ऐसी है कि वे लोक सेवा के क्षेत्र में उतर सकें। धन संग्रह या विलासी जीवन जीने, यहाँ से सीखकर घर जाकर उसका अपने लिए प्रयोग करने की जिनकी महत्वाकांक्षा हो, वे न आएँ। औसत भारतीय के निर्वाह स्तर में रह सकने की जिनकी स्थिति है, जो अनुशासन प्रिय हैं, वे ही आएँ। इन सत्रों में जो आएँ उन्हें यह सोचने या ऊहापोह करने की जरूरत नहीं है कि वे कहाँ खपेंगे। चौबीस सौ स्थानों पर कई-कई कार्यकर्त्ताओं की आवश्यकता है। कम समय में सुयोग्य शिक्षण द्वारा वे कहीं भी जाकर आत्म संतोष, लोक सम्मान भरा जीवन जी सकते हैं। भगवान के-दैवी चेतना के सहचर बनने का तो सुयोग है ही।

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org

प्रस्तुत शिक्षण स्वतन्त्रता संग्राम, आजाद हिन्द फौज की तरह एक आपात्कालीन भरती है। सौ रुपये मासिक में भोजन आदि का निर्वाह आसानी से हो जाएगा। उपकरण, आवास आदि का प्रबन्ध यहीं से होगा। यदि भोजनालय में भी सहकारी स्तर पर प्रयोग सम्भव हो सके तो प्रकारान्तर से वह खर्च भी लौटकर अपने पास ही आ जाएगा।

उपरोक्त पाँच शिक्षण उपक्रमों के अतिरिक्त शान्ति कुञ्ज रहकर स्थाई काम करने वालों के लिए भी इसी बसन्त पर्व से कुछ नए शिक्षण उपक्रम आरम्भ किये जा रहे हैं। ये हैं नालन्दा स्तर का देश-विदेश की भाषाओं का शिक्षण करने वाला एक भाषा विद्यालय, तक्षशिला स्तर का विभिन्न संस्कृतियों का अध्यापन करने वाला धर्म विद्यालय, एवं विभिन्न भाषाओं में अनुवाद, लेखन, तथ्य संकलन का प्रशिक्षण देने वाला साहित्य सृजन विद्यालय। विभिन्न प्रकार के ब्रह्मवर्चस् के शोध प्रयासों में सहयोग देने वालों का भी सामयिक शिक्षण साथ-साथ चलेगा। अन्यान्य शिक्षण के अलावा जीप ड्राइविंग का शिक्षण भी इसी में शामिल है।

वीडियो स्टूडियो, ज्योतिर्विज्ञान के आधार पर दृश्य विज्ञान पञ्चाङ्ग तथा टेप कथाओं की केसेट सीरिज का शुभारम्भ भी इसी बसन्त पर्व से हो रहा है। इस प्रकार हर दृष्टि से यह पर्व अभिनव एवं विशिष्ट है। परिजनों को अब हमारे शरीर दर्शन का मोह छोड़कर जीवन दर्शन ग्रहण करना चाहिए। हमारे रास्ते पर चलकर निर्देशों का पालन कर परिजन वह सब कुछ पा सकेंगे जो हमने लम्बी मंजिल पार करते हुए पाया है। गोदी में खेलने का समय अब चला गया। हम अपने आप को सिकोड़कर अब स्वयं को अन्तर्मुखी तप साधना में नियोजित करेंगे। आपके लिए यही एकमात्र कार्यक्रम सौंप रहे हैं कि अपने यहाँ सक्रियता लाने, अन्तः की प्रखरता को उभारने एवम् दैवीसत्ता का अनुचर बनने के लिये उच्चस्तरीय प्रशिक्षण हेतु स्वयं को ४ माह के लिए जीवन व्यापार से निकालें अथवा स्वयं के स्थान पर एक प्रतिभाशाली व्यक्ति शिक्षण हेतु भेजें। यही बसन्त पर्व पर हमारे प्रति सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी।

युगान्तर चेतना प्रेस, शान्ति कुञ्ज, हरिद्वार।

Free Read/Download & Order 3000+ books authored by Yugrishi Pt. Shriram Sharma Acharya(Founder of All World Gayatri Pariwar) on all aspects of life in Hindi, Gujarati, English, Marathi & other languages at
www.vicharkrantibooks.org http://literature.awgp.org